Item Code: 645 Participant Code: 320

खेती अपनी संस्कृति :।

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

कृषि है हमारे जिवन में महत्वपूर्ण
ना समझे इनके मजबुर।

परस्तवना - खेती हमारे जीवन में अति आवश्यकता है। यह और हमसब जानते है। कि यह सदीयों से चलती आ रही है। यह हमारी देश का संस्कृति है। और हमारे देश कृषि एक बड़ा देश कहा जाता है। ना केवल वह ही, हमारा देश खेती करके दुसरो देशों को देता है। कृषि अपनी संस्कृति है। और हमें इसे करना चाहिए और देशों को अच्छा बनना चाहिए। हमारा भारत देश विश्व का कृषि मना जता है। कृषि बहुत अच्छा है और हमें अपनी संस्कृति नही भूलना चाहिए मेरा मतलब यें नही हम शिक्षित न रहो हमें शिक्षित हो कर भी अपने देश को देखना चाहिए और इसकि रिती रिवाज को रखना चाहिए। और हमको सबको मिलकर कृषि करना चाहिए और शिक्षित भी अपने देश के लिए।

कृषि का लाभ :-

जब हम कृषि करते हैं तो हमें अनेक प्रकार कि चीजें मिलती है और हमें बहुत प्रकार की अनाज कि दाल चावल गेंहू मशारी भी मिलती हैं और अदि सब्जियाँ भी मिलती और हम बजार के अनेक बेकार सब्जियों से छुटकारा मिलता है और हम ताजे-ताजे सब्जियाँ उपयोग कर सकते हैं और अपने शरीर को स्वास्थ्य और मजबुत बना सकते ना केवल यह ही हम ऐ भी से बच सकते है कि आजकल हमारे राज्य में पलास्टिट के साब्जियाँ हो रही है तो हम अपने जिवन को बिमारियों से बचा सकते है और अपने देश की जनता की मदद कर सकते हैं और अपने देश की लोगों को रोगों से छुटकारा दे सकते हैं और सबको खुशी से जिवन बिताने का सहारा दे सकते है यह हमारा कर्तव्य है अपने देश की सुरक्षा तो अपना भी सुरक्षा।

63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

63-ാം കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം 2025 ജനുവരി 4 മുതൽ 8 വരെ തിരുവനന്തപുരം

Item Code: 645 Participant Code: 320

कृषि ना होने का नुकशान :-

जैसे हम सब जानते है कि कई ऐसा जगह पर कुछ ऐसा सुनने कि मिलता है कि लोग खेती नही करते है तो उनको प्लास्तिक का सब्जियाँ मिलता है इसलिए आजकल लोगों मर रहे है जल्द ही, और कितनी प्रकार की बिमारियाँ हो रही है बच्चे और हमारे देश के जवान बहुत जल्दी मर रहे है और प्लास्तिक के चीजें खाने से कितना बिमारियाँ हो रही है खेती के बिना किए हुए व बजार में कितना दिन का सब्जी कितना दिन तक लेके लोगों को बजार में देते है इसलिए युवा के खतनाक है इसलिए कृषि न करने से बहुत बड़ा दुर्घटना होने वाला है तो हम सबको मिलकर इस समस्या को दूर करना चाहिए। देश की हरेक युवा को बताना चाहिए। और हरेक बिमारियाँ से बचना और बचाना है अपने समाज का। और सबको एक साथ विकास करें।

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

खेती हमारी संस्कृति क्यों है।—:

खेती इसलिए हमारी संस्कृति है। जब हम खेती करते हैं। धान उपजते हैं। तो उनकी धानकुटेती और इनको एक-एक पौधे हमें बहुत कुछ महसुस कराते हैं। मसौरी को कोकिला काड़ी हमें अवाज सुनाते हैं। गेंहु की पौधे हमें सब कुछ सिखाती हैं। और अनाज के हरेक धान जब हम उसको बगते हैं। तो कितना सुहाना दिखती है। लहरते हुए। कितना अच्छा दिखता है। जब हम इसे पानी देते हैं। और उसके हरेक दिन अपने आँखे से बढ़ते देखते हैं तो वह कितना अच्छा महसुस करवाती है। वह खेती के खिचडा और पानी जब हम उसको छुते हैं। तो वह हमें कुछ और सिखाती है। यह हमारी पुरानी संस्कृति है। तो हम सबको इसको देखना चाहिए और इनको समझना चाहिए।

तो हमें सब फसलों की बारे में समझ आएगा उनकी हरेक चीजों कितना अच्छा है और सब फसलों को सुँघ सकते हरेक ध्यान से पौधे के पास विभिन्न तरीके के सुगंध हैं तो हमें समझ आएगा किसी खेती अपनी संस्कृति है क्यों। जब खेती में गेहूँ डालते हैं तो उनके बीज देखने को मिलेगा। और हम जब कृषि करते हैं तो हम उनको अपने जिवन में उपयोग कर सकते हैं और हम हर प्रकार के विरोग से बच सकते हैं और मँसाशी की दाल को खाते हैं तो हमें उत्पादन देती है और इसलिए खेती करना हमारी देशका पुरानी परमँपरा है और हम अपनी खेती को समझ सकते हैं और दूसरे जमाने के दुसरों को समझा सकते हैं कि होता है क्या फसलों कि मुल्कान और खेती की कृषि यह हमारे देश की संस्कृति में क्यों बोला जाता है हमेशा।

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

खेती को कैसे अच्छा से उगाएं और उनकी देखभाल कैसे करे ?

तो हम सब जानते है कृषि करना असान नही होता है इसको लिए तो प्यार जब हम एक किसान को देखते है तो उनका कितना खेती से प्यार रहता है उनके फसलों को जब वह धान के बीज खेते में डालते है तो उनको अन्दाज रहता कि किस जगह पर कितना डाले और उनको खाद्य पानी कब देना है और उनको कैसे सभालना है तो न केवल व ही यह भी कि उन सफलों की कब पानी और खाद्य की जरुरत वह फसलों को एक बच्चा की तरह तैयार करते है तो फसल तैयार होकर उसमें अनाज, और धान, गेहूँ, आदि आता है वह हर समय उस फसलों को देखते है अच्छा से तो प्यार क्यों न हमें देखना चाहिए ऐसा करके। और उनकी फसलों का आनंद लेना चाहिए। और फसलों की अच्छी तरह समझना चाहिए।

खेती की उपदेश

→ करो खेती और समझो इनकी बात ?
और इनकी सुगंधें ?

→ ना समझो कि है एक मजबुरी समझे
की यह एक है मजबुती ?

→ न करो नकल न करो मनमानी मेहनत करें
और पाओ इनकी खुशी ?

→ दिल में इनकी सुगंधें और महकाओ
और बताओ सबको ?।

→ खेती है। यह अपनी संस्कृति
न समझो की है कथी की रिती ।

उपसंहार →: तो हम सब जानते है कि कि खेती होती है हमारी संस्कृति यह हम प्यारे को समझना चाहिए कि खेती के पीछे का राज और उनका खुबी तो खेती हमारी संस्कृति है जो जिसको पता नही तो उनको बताना चाहिए और अपने देश की खेती की उनको हरके फसलो की ~~मुरु~~ सुगंध को बताना चाहिए देश कि यह लोगो को बचाना चाहिए पालाक्ति की सब्जियाँ से और कई हरके प्रकार की चीजें को समझना और बताना आजकल के लोगो को अति अवश्यकता है सुना जाता है आजकल कि देश की युवाओं अपने देश की संस्कृति भुल जाते है तो बहुत दुख कि बात है तो हम सबको हाथ जुडाकर अपने देश कि बारे में बताना चाहिए कि अपना कितना अच्छा है और हमारा देश तो हमें सबका हाथ थापकर आगे बढना और देश को बढाना है।